Regarding increasing the Railway track in Balaghat Constituency ? a mineral prone area

श्रीमती भारती पारधी (बालाघाट) : माननीय सभापति महोदया, मैं पहली बार मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले से चुन कर आई हूँ । मध्य प्रदेश में लिंग अनुपात में महिलाओं की संख्या बालाघाट में बहुत अधिक है । शायद इसीलिए मुझे महिला के तौर पर पहली बार वहां से जीतने का मौका मिला है । मैं आदरणीय रेल मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहती हूँ कि मेरा क्षेत्र नक्सलवाद से प्रभावित है । हमारी दोनों ही सरकार ? प्रदेश की सरकार और आदरणीय मोदी जी की सरकार आने के बाद वहां पर नक्सलवाद की वारदातें ज़रूर कम हुई हैं, लेकिन वह अभी भी पिछड़ा क्षेत्र कहलाता है । वहां पर रेल की कनेक्टिविटी के लिए नैरो गेज से ब्रॉड गेज अटल बिहारी जी के समय में हुआ है, लेकिन अभी वहां सिंगल लाइन होने के कारण कनेक्टिविटी की बहुत ज्यादा परेशानी होती है । मैं आपके माध्यम से आदरणीय रेल मंत्री जी से कहना चाहती हूँ कि वहां पर रेल के ट्रैक को बढ़ाया जाए । दूसरा, मेरे जिले के विद्यार्थियों को अगर अध्ययन के लिए भोपाल, इंदौर या अन्य किसी भी बड़े महानगर में जाना पड़ता है तो कनेक्टिविटी न होने के कारण उनको ट्रेनों की सुविधाएं नहीं मिल पाती हैं । इसलिए मैं आदरणीय मंत्री जी से मैं निवेदन करती हूँ कि मेरे क्षेत्र के 60 किलोमीटर पर महाराष्ट्र की सीमा लगी हुई है, वहां पर बहुत सी ट्रेनें आती हैं और इधर शिवनी जो मेरे ही संसदीय क्षेत्र में आता है, वहां पर भी पंचवेली एक्सप्रेस का स्टॉपेज होता है तो उन ट्रेनों को बढ़ाते हुए जबलपुर से जाने वाली ट्रेनों को आगे बढ़ाया जाए और मेरे क्षेत्र से जोड़ा जाए, क्योंकि एशिया की सबसे बड़ी मैंगनीज की खदान मेरे ही क्षेत्र मलाजखंड में है । वहां गुड्स ट्रेनों के कारण भी बहुत ज्यादा परेशानी होती है । मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से रेलवे ट्रैक बढ़ाने की माँग रखती हूँ ।

धन्यवाद । जय हिन्द ।